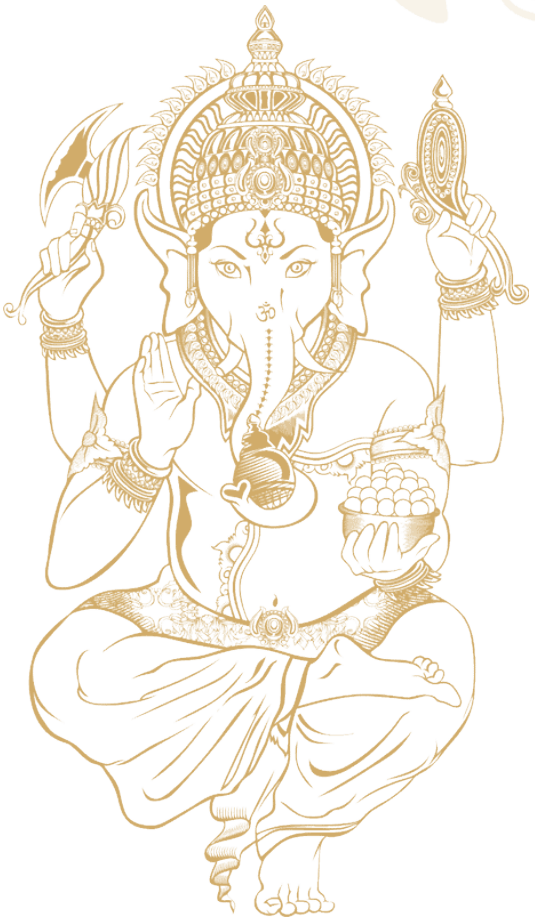

??????

19 Jan 1961

06:45 AM

Roorkee

Model: web-freekundliweb

Order No: 121681018

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**18-19/01/1961**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**06:45:00 घंटे**
इष्ट	58:45:54 घटी
स्थान	**Roorkee**
राज्य	Uttarakhand
देश	India

अक्षांश	29:52:00 उत्तर
रेखांश	77:53:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:18:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:26:32 घंटे
वेलान्तर	-00:10:25 घंटे
साम्पातिक काल	14:19:20 घंटे
सूर्योदय	07:14:38 घंटे
सूर्यास्त	17:43:15 घंटे
दिनमान	10:28:37 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	05:25:32 मकर
लग्न के अंश	26:29:32 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	व्यतिपात
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गे-गैरी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	26:29:32	373:43:38	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	---
सूर्य			मक	05:25:32	01:01:06	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			कुंभ	05:53:44	14:52:15	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	सम राशि
मंगल	व		मिथु	08:49:37	00:14:21	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	गुरु	शत्रु राशि
बुध		अ	मक	13:55:10	01:42:24	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	सम राशि
गुरु			धनु	24:58:33	00:13:53	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	स्वराशि
शुक्र			कुंभ	22:03:35	01:04:33	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	मित्र राशि
शनि		अ	धनु	28:24:18	00:07:05	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	सम राशि
राहु	व		सिंह	13:23:05	00:00:56	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	13:23:05	00:00:56	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		सिंह	01:28:36	00:02:16	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	---
नेप			तुला	17:50:58	00:00:47	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	सूर्य	---
प्लूटो	व		सिंह	14:25:40	00:01:07	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	---
दशम भाव			तुला	13:52:18	--	स्वाति	--	15	शुक्र	राहु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:18:42

लग्न-चलित

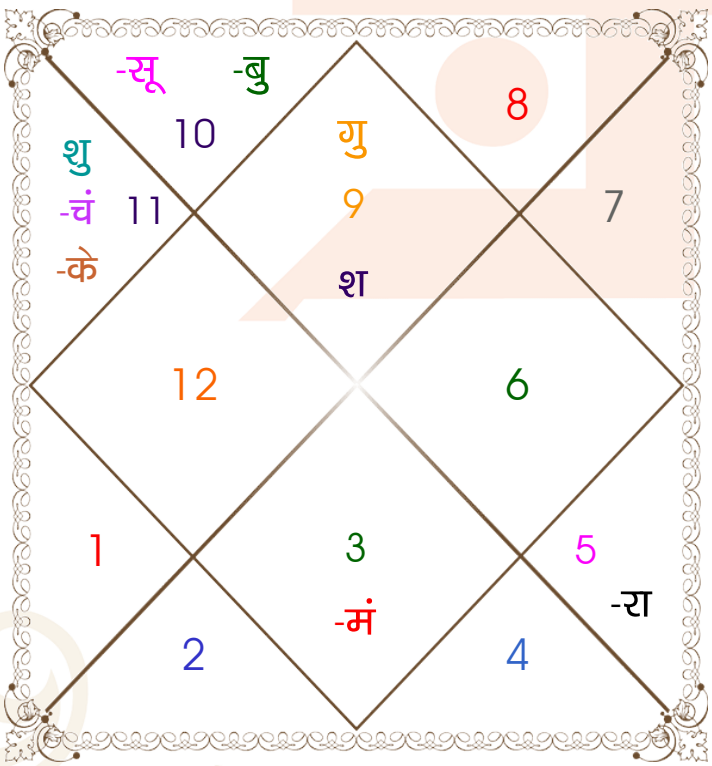

चन्द्र कुंडली

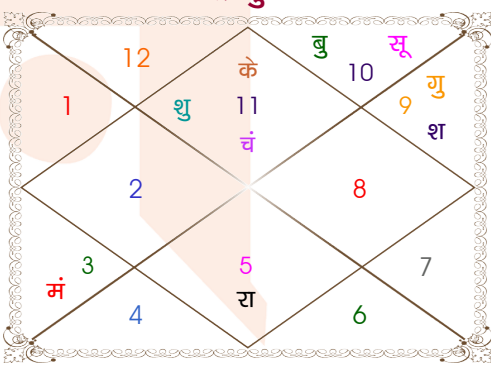

नवमांश कुंडली

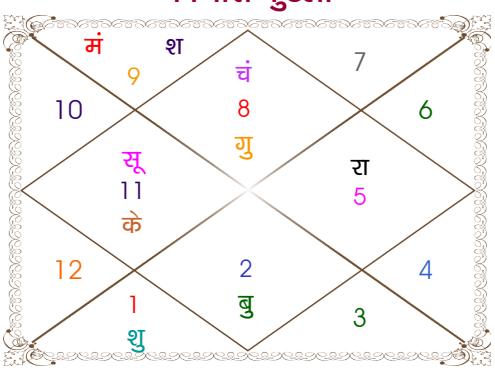

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 0 वर्ष 4 मास 26 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
19/01/1961		16/06/1961		16/06/1979		16/06/1995		16/06/2014	
16/06/1961		16/06/1979		16/06/1995		16/06/2014		16/06/2031	
00/00/0000		राहु	27/02/1964	गुरु	03/08/1981	शनि	19/06/1998	बुध	12/11/2016
00/00/0000		गुरु	22/07/1966	शनि	15/02/1984	बुध	26/02/2001	केतु	09/11/2017
00/00/0000		शनि	28/05/1969	बुध	23/05/1986	केतु	07/04/2002	शुक्र	09/09/2020
00/00/0000		बुध	16/12/1971	केतु	28/04/1987	शुक्र	06/06/2005	सूर्य	16/07/2021
00/00/0000		केतु	02/01/1973	शुक्र	27/12/1989	सूर्य	19/05/2006	चंद्र	15/12/2022
00/00/0000		शुक्र	03/01/1976	सूर्य	16/10/1990	चंद्र	19/12/2007	मंगल	13/12/2023
00/00/0000		सूर्य	27/11/1976	चंद्र	15/02/1992	मंगल	27/01/2009	राहु	01/07/2026
19/01/1961		चंद्र	29/05/1978	मंगल	21/01/1993	राहु	04/12/2011	गुरु	06/10/2028
चंद्र	16/06/1961	मंगल	16/06/1979	राहु	16/06/1995	गुरु	16/06/2014	शनि	16/06/2031

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
16/06/2031		16/06/2038		16/06/2058		15/06/2064		16/06/2074	
16/06/2038		16/06/2058		15/06/2064		16/06/2074		19/01/2081	
केतु	12/11/2031	शुक्र	15/10/2041	सूर्य	03/10/2058	चंद्र	16/04/2065	मंगल	12/11/2074
शुक्र	11/01/2033	सूर्य	16/10/2042	चंद्र	04/04/2059	मंगल	15/11/2065	राहु	01/12/2075
सूर्य	19/05/2033	चंद्र	15/06/2044	मंगल	10/08/2059	राहु	17/05/2067	गुरु	05/11/2076
चंद्र	18/12/2033	मंगल	15/08/2045	राहु	04/07/2060	गुरु	15/09/2068	शनि	15/12/2077
मंगल	16/05/2034	राहु	15/08/2048	गुरु	22/04/2061	शनि	16/04/2070	बुध	12/12/2078
राहु	04/06/2035	गुरु	16/04/2051	शनि	04/04/2062	बुध	15/09/2071	केतु	11/05/2079
गुरु	10/05/2036	शनि	16/06/2054	बुध	08/02/2063	केतु	15/04/2072	शुक्र	10/07/2080
शनि	19/06/2037	बुध	16/04/2057	केतु	16/06/2063	शुक्र	15/12/2073	सूर्य	15/11/2080
बुध	16/06/2038	केतु	16/06/2058	शुक्र	15/06/2064	सूर्य	16/06/2074	चंद्र	19/01/2081

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 0 वर्ष 4 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म पूर्वाभाद्र पद नक्षत्र के चतुथ चरण में धनु लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर धनु लग्न के साथ-साथ वृश्चिक राशि का नवमांश एवं सिंह राशीय द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इसके प्रभाव से यह स्पष्ट सूचित हो रहा है कि आपका जीवन आरामदेह एवं प्रसन्नता प्रदायक होगा। प्रकृति ने आपको दृढ़ निश्चयी बना कर अपने जीवन हेतु प्रयत्नशील रहकर अपने स्वयं के लिए सहायक बनाया है।

धनु जन्म लग्न एवं सिंह द्रेष्काण का प्रभाव विभिन्न प्रकार के विषयों से संबंधित अनेक प्रकार के कर्म चिंतन का सामंजस्य पूर्ण व्यवस्था निरूपित करता है। परंतु वृश्चिक नवमांश के प्रभावानुरूप आप आक्रामक एवं असंगत प्राणी हो ऐसा प्रतीत होता है। आपका जीवन आरामदेह एवं प्रचूर धन संपत्ति से युक्त सृदृढ़-स्वस्थ्य जीवन का आनंद प्राप्ति का प्रतीक बताता है। परंतु बृश्चिक राशीय प्रभाव के अनुसार यह संभाव्य है कि आप गरीबी के जीवन में भी आ सकती हैं। अर्थात् आपका जीवन अभावग्रस्त एवं रोगगस्त भी हो सकता है। अतः आप अपने जीवन में उन्नति किस प्रकार करेंगी यह आपके कार्य एवं विचार शैली पर निर्भर करता है।

आप धन सम्पत्ति का उपार्जन कर निश्चित रूप से उसे सुरक्षित रखेंगी क्योंकि आप एक विशाल हृदय की प्राणी हैं। आप बहुत अधिक दान कर सकती हैं क्योंकि आप इस दान धर्म के लिए समर्थ प्राणी हैं। आप इस प्रकार के कार्य के ऊपर नियंत्रण रखेंगी। तब यह संभाव्य है कि आप शीघ्रतापूर्वक आनन्द लूटने के प्रलोभन में फंसकर उसका चिंतन करेंगी। आपको शान्तिपूर्वक अनर्थकारी कार्यक्रम के प्रति विपरीत आचरण करना चाहिए। आप को जूआ-सट्टा आदि गलत कार्यों का त्याग करना चाहिए।

आपके स्वास्थ्य के संबंध में विचारणीय यह है कि आप यात्रा अधिक करती हैं। इस कारणवश आपका स्वास्थ्य विकृत हो जाने की आशंका है क्योंकि आप असामयिक अधिक भोजन करती हैं। इसके अतिरिक्त अन्य कोई उपाय नहीं है कि आप स्वस्थ्य एवं प्रसन्न रह सकें। अन्यथा आप रोगादि की संभावना में पड़कर सर्दी, जुकाम, कफ, जुकाम, गठिया, वायु, रक्तचाप रोग से सामना कर सकती हैं।

आपको अपने परिवार का भली प्रकार भरण-पोषण करने के लिए आपमें यह योग्यता आवश्यक रूप से होना नितांत आवश्यक है कि आप किस प्रकार धन प्राप्त करके अपने परिवार का भरण-पोषण करेंगी। आप बहुत बड़ी विश्वासी है तथा सदैव आप विश्वसनीयता पूर्वक सत्याचरण करती हैं। तथा यह भी मानती हैं कि सत्य ही सब कुछ है। यह सन्देह है कि इन बातों का आप ध्यान नहीं रखती हैं कि इसका कोई प्रभाव अन्यों पर पड़ता है या नहीं। आप सदैव ईश्वर के प्रति श्रद्धावान होकर धार्मिक भावनाओं से युक्त होकर अनेक तीर्थ स्थानों का भ्रमण करेंगी तथा परोपकार हेतु दान प्रदान करेंगी।

आप कतिपय अच्छे कार्य व्यवसाय के प्रति अपनी अभिलाषा के अनुसार अपनी

बुद्धि को अनुकूल कर सकती हैं। इनमें पुस्तक प्रकाशन, सम्पादन कार्य, शैक्षणिक संस्थान के संचालन का कार्य व्यवसायों का चयन कर सकती हैं।

आप निम्नांकित संभाव्य नियम के आधार पर अनुकूल कार्य शैली का सृजन कर सकती हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल हैं। इसके अतिरिक्त अंक 2, 7 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त हैं।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सफेद, क्रीम, सूआ पंखी, नीला, हरा और नारंगी रंग आपके लिए अच्छा है। परंतु इसके अतिरिक्त रंग लाल, काला एवं मोतिया रंग आपके लिए अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुभ दिन रविवार, सोमवार एवं मंगलवारका दिन प्रतीत होता है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए अशुभफलदायी है।